



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 4, 1978/कार्तिक 13, 1900
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1978/KARTIKA 13, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

pur Parliamentary constituency for the existing entry against item No. 1 the entry "1. Additional District Magistrate (Project), Fatehpur", shall be substituted.

[No. 434/UP-HP/78]

कां०भा० 3136—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग यह निदेश देता है कि उसकी तारीख 29 जनवरी, 1977 की अधिसूचना सं० 434/उ०प्र०-लो०स०/77(1) में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में क्रम संख्या 58 58-फतेहपुर संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटर्निंग ऑफिसर के सामने, मध सं० 1 पर विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, "1. अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (परियोजना) फतेहपुर"। प्रविष्टि रखी जाएगी

[सं० 434/उ०प्र०-लो०स०/78]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3136.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby directs that the following amendment shall be made in its notification No. 434/UP-HP/77(1), dated the 29th January, 1977, namely:—

In column 2 of the Table appended to the said notification against Serial No. 58 Returning Officer for 58-Fatehpur

आदेश

कां०भा० 3137—निर्वाचन आयोग की यह समाधान दी बुका है कि जून, 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण/निर्वाचन के लिए पंजाब के 77-नामा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्यारेलाल भकान नं० 218/ए, लाहोरी रोड, गांधी नगर, पटियाला (पंजाब) लोक, प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तबधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग की यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्यारेलाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब-वि०स०/77/77]

टी० नागरलाल, सचिव

ORDER

S.O. 3137.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Piare Lal, House No. 218/A, Lahori Gate, Gandhi Nagar, Patiala (Punjab) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 77-Nabha held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Piare Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/77/77]

T. NAGARATHNAM, Secy.

New Delhi, the 20th October, 1978

ERRATA

S.O. 3138.—In the Election Commission's notification published as S.O. 587(E), dated 6th October, 1978 at page 1202 of the Gazette of India Extraordinary, Part II-Section 3—Sub-section (ii),—

- (i) for the word and figure "section 55" appearing in the first line read "Section 56"; and
- (ii) after the words "as the hours during which" and before the words "poll shall", insert the letter "a".

[No. 100/KT-HP/1/78]

R. D. SHARMA, Under Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1978

नोटिस

कां०प्र० 3139.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूलस), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी की श्री एस०ई० मोरिस, सालि-सिटर, इम्प्रेस कोर्ट चर्च गेट, रिक्लांमेशन, बम्बई-21 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, पूरे भारत में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौवह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिखकर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/28/78-न्याय]

एल० डी० हिन्दी, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 21st October, 1978

NOTICE

S.O. 3139.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri S. E. Morris, Solicitor, Empress Court, Church Gate Reclamation, Bombay-21 for appointment as a Notary to practise in and throughout India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted to writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/28/78-Jus.]

L. D. HINDI, Competent Authority

(कम्पनी कार्य विभाग)

कां०प्र० 3140.—एकाधिकार एवं निबन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स बेहूबर कम्पनी लिमिटेड के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 130/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/44/78-एम-2]

हरि किशोर जैन, उप सचिव

(Department of Company Affairs)

S.O. 3140.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act 1969, (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. The Behubor Co. Ltd., under the said Act (Certificate of Registration No. 130/70).

[F. No. 2/44/78-M. II]

H. K. JAIN, Dy. Secy.

न्याय मंत्रालय

(कानून और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1978

कां०प्र० 3141.—वण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री डी०एन० जाटव तथा अन्य के विरुद्ध नियमित मामला सं० 33/74-एस०पी०ई० बम्बई में अन्तर्गत अभियुक्त व्यक्तियों द्वारा धायर की गई आपराधिक अपीलों में बम्बई उच्च न्यायालय में राज्य की ओर से उपस्थित होने तथा केस के संचालन हेतु श्री पी०आर० नामजोशी, अधिवक्ता, बम्बई की विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/56/78-ए०डी०डी० II]

टी०के० सुब्रमणियम, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 23rd October, 1978

S.O. 3141.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay as a Special Public Prosecutor to appear and conduct on behalf of the State in the Bombay High Court, in criminal appeals filed by the accused persons involved in R. C. No. 33/74-SPE-Bombay against Shri D. N. Jatav and others.

[No. 225/56/78-AVD. II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

विद्युत मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

आयकर

कां०प्र० 3142.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962

के नियम 6 (iv) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।
- (ii) यह कि संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित परिषद् को प्रति वर्ष कम से कम 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

कर्नाटक कैंसर थिरपी एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, हुबली

यह अधिसूचना 2 जून, 1978 से 1 जून 1980 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 2400/फा०सं० 203/80/78 आई टी ए II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3142.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with rule 6(ii) of the Income-tax Rules 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions:—

- (i) That the institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.
- (ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May, at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Karnatak Cancer Therapy and Research Institute, Hubli.

This notification is effective for a period of two years from 2nd June, 1978 to 1st June, 1980.

[No. 2400/F. No. 203/80/78-ITA. II]

आयकर

क०स० 3143—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि सिस्टम्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे प्राकृतिक या आनु-प्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक

ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

रिस्टमन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे

यह अधिसूचना 1-4-1978 से 31-3-1981 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 2402/फा०सं० 203/66/78आई टी ए II]

INCOME-TAX

S.O. 3143.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules 1962 under the category of 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions:—

- (i) that the System Research Institute, Pune will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines).
- (ii) That the said institute will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Systems Research Institute Pune

This notification is effective for a period of three years from 1st April, 1978 to 31st March, 1981.

[No. 2402/F. No. 203/66/78-ITA. II]

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1978

आयकर

क०स० 3144—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iv) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि महाराष्ट्र एसोसिएशन फार वि कल्टीवेशन आफ साइन्स, पुना प्राकृतिक या आनुप्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

महाराष्ट्र एसोसिएशन फार वि कल्टीवेशन आफ साइन्स, पुना

यह अधिसूचना 6-3-1978 से 5-3-1981 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 2411/फा०सं० 203/87/78 आई०टी०ए० II]

New Delhi, the 17th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3144.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) that the Maharashtra Association for the Cultivation of Science, Poona, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than agriculture/animal husbandry/fisheries & medicines).
- (ii) That the said Association will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Maharashtra Association for the Cultivation of Science Poona

This notification is effective for a period of three years from 6th March, 1978 to 5th March, 1981.

[No. 2411/F. No. 203/87/78-ITA II]

प्रायकर

का०प्रा० 3145.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रयोगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर भ्रानुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि दि इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन फाउण्ड्री मैन कलकत्ता प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक भ्रानुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा :
- (ii) यह कि उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक भ्रानुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधि-कथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं ।

संस्था

दि इंस्टीट्यूट आफ इण्डियन फाउण्ड्रीमैन, कलकत्ता

यह अधिसूचना 9-2-1978 से 8-2-1981 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी ।

[सं० 2409/का०सं० 203/21/78 आई टी ए II]

INCOME TAX

S.O. 3145.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 (iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Institution' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) that the Institute of Indian Foundrymen, Calcutta will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural

or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines);

- (ii) That the said Institute will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

The Institute of Indian Foundrymen, Calcutta.

This notification is effective for a period of three years from 9-2-1978 to 8-2-1981.

[No. 2409/F. No. 203/21/78-ITA II]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1978

प्रायकर

का०प्रा० 3146.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रयोगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को प्राय-कर नियम 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, प्राय-कर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संगठन" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर भ्रानुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि आलेखीय कला भ्रानुसंधान संस्थान, नई दिल्ली प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक (कृषि पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक भ्रानुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा ।
- (ii) उक्त संस्थान प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक भ्रानुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधि-कथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं ।

संस्था

आलेखीय कला भ्रानुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 13-3-1978 से 12-3-1981 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी ।

[सं० 2441 का०सं० 203/44/78 आई टी ए 11]

New Delhi, the 29th July, 1978

INCOME TAX

S.O. 3146.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category of 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) that the Research Institute of Graphic Arts New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines).
- (ii) that the said Institute will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Research Institute of Graphic Arts, New Delhi:

This notification is effective for a period of 3 years from 13-3-1978 to 12-3-1981.

[No. 2441/F. No. 203/44/78-ITA. II]

प्राय-कर

का०प्र० 3047.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iv) के साथ पठित, प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "संगठन" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि इनडाइट्रिन सोसाइटी आफ इण्डिया, चण्डीगढ़ प्राकृतिक या भ्रानुप्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक् से रखेगा।
- (ii) उक्त सोसाइटी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

इनडाइट्रिन सोसाइटी आफ इण्डिया, चण्डीगढ़।

यह अधिसूचना 12-3-1978 से 16-3-81 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी।

[सं० 2442 (फा०सं० 203/182/77आई टी ए II)]

INCOME TAX

S.O. 3147.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) that the Endocrine Society of India, Chandigarh will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/Fisheries & Medicines).
- (ii) that the said Society will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year:

INSTITUTION

Endocrine Society of India Chandigarh.

This notification is effective for a period of 3 years from 17-3-1978 to 16-3-1981.

[No. 2442/F. No. 203/182/77-ITA.II]

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1978

प्राय-कर

का०प्र० 3148.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा(1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब अलग से रखेगी।

- (ii) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

शेरे-कश्मीर नेशनल मेडिकल इंस्टीट्यूट, श्रीनगर, कश्मीर

यह अधिसूचना 8-3-1978 से 7-3-1980 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी।

[सं० 2450 (फा०सं० 203/96/78आई टी ए II)]

New Delhi, the 2nd August, 1978.

INCOME TAX

S.O. 3148.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 (iv) of the I. T. Rules, 1962 under the category of "scientific Research Association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions :—

- (i) That the Institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.
- (ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Sher-I-Kashmir National Medical Institute Trust,

Srinagar-Kashmir

This notification is effective for a period of 2 years from 8-3-1978 to 7th March, 1980.

[No. 2450/F. No. 203/96/78-ITA. II]

प्राय-कर

का०प्र० 3149.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iv) के साथ पठित, प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (1) यह कि संस्था चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक् से रखेगी।
- (2) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

महारोगी सेवा समिति बारोरा, महाराष्ट्र

यह अधिसूचना 20-5-1978 से 19-5-1980 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी।

[सं० 2455/फा०सं० 203/86/78—आई टी ए II]

INCOME TAX

S.O. 3149.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 (iv) of the I. T. Rules 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions:—

- (1) That the institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.
- (2) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Maharogi Sewa Samiti Warora, Maharashtra.

This notification is effective for a period of 2 years from 20-5-1978 to 19-5-1980.

[No. 2455/F. No. 203/86-/78-ITA. II]

आयकर

का० प्रा० 3150.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है।

(1) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा इस छूट के अधीन संगृहीत निधियों का उपयोग एक मात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की उन्नति के लिए ही किया जायगा।

(2) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद इस छूट के अधीन संग्रह की गई निधियों का हिसाब भ्रम से रखेगा।

(3) यह कि गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का और वह रीति जिसमें उनका उपयोग किया गया है दर्शाते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् को भेजेगा।

संस्था

गुजरात क्षेत्र नियोजन संस्थान, अहमदाबाद

यह अधिसूचना 1-4-1978 से 31-3-1981 तक की 3 वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 2452/का० सं० 203/54/78 आई टी ए-II]

जे० पी० शर्मा, निदेशक।

INCOME TAX

S.O. 3150.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—

1. The funds collected by the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.
2. That the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad, shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
3. That the Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad shall send an Annual report to the Indian Council of Social Sciences Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Gujarat Institute of Area Planning, Ahmedabad.

This notification is effective for a period of 3 years from 1-4-1978 to 31-3-1981.

[No. 2452/F. No. 203/54/78-ITA. II]

J. P. SHARMA, Director

प्रादेश

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर, 1978

स्टाम्प

का० प्रा० 3151.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 क 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गुजरात सड़क परिवहन निगम, अहमदाबाद को डिबेंचरों के रूप में उक्त निगम द्वारा जारी किये जाने वाले एक करोड़ रुपये के अंकित मूल्य के बन्धपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभावी समेकित स्टाम्प शुल्क प्रदा करने की अनुमति देती है।

[सं० 23/78-स्टाम्प का० सं० 33/49/78-बि० क०.]

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1978

STAMPS

S.O. 3151.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Road Transport Corporation, Ahmedabad to pay consolidated stamp duty chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of one crore of rupees to be issued by the said Corporation.

[No. 23/78-Stamps-F. No. 33/49/78-ST]

प्रादेश

स्टाम्प

का० प्रा० 3152.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई को, प्रोमिसरी नोटों के रूप में उक्त भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी किये जाने वाले सत्ताइस करोड़, पचास लाख रुपये के अंकित मूल्य के बन्धपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभावी केवल सत्ताइस लाख, पचास हजार रुपये का समेकित स्टाम्प शुल्क प्रदा करने की अनुमति देती है।

[सं० 21/78-स्टाम्प-का० सं० 33/47/78-बि० कर०]

ORDER

STAMPS

S.O. 3152.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Industrial Development Bank of India, Bombay to pay consolidated stamp duty of twenty seven lakhs and fifty thousand of rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of promissory notes of the face value of twenty seven crores and fifty lakhs of rupees to be issued by the said Industrial Development Bank of India, Bombay.

[No. 21/78-Stamps-F. No. 33/47/78-ST]

प्रारम्भ

स्टाम्प

कां० प्रा० 3153.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो प्रथम वित्तीय निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान बचन पत्रों के रूप में जारी किये जाने वाले पचपन लाख रुपये के मूल्य के बन्ध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 22/78-स्टाम्प-फा० सं० 33/48/78-बि०-कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3153.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty five lakhs of rupees, to be issued by the Assam Financial Corporation during the financial year 1978-79 are chargeable under the said Act.

[No. 22/78-Stamp-F. No. 33/48/78-ST]

प्रारम्भ

कां० प्रा० 3154.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो महाराष्ट्र हाउसिंग एण्ड एरिया डिवेलपमेंट आथॉरिटी द्वारा वर्ष 1978-79 के दौरान जारी किये जाने वाले एक करोड़ दस लाख रुपये के मूल्य के ऋण-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 24/78-स्टाम्प-फा० सं० 33/50/78-बि०-कर]

ORDER

STAMPS

S.O. 3154.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of one crore and ten lakhs of rupees, to be issued during 1978-79 by the Maharashtra Housing and Area Development Authority are chargeable under the said Act.

[No. 24/78-Stamp-F. No. 33/50/78-ST]

स्टाम्प

कां० प्रा० 3155.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की 14 अगस्त, 1978 की अधिसूचना सं० 18/स्टाम्प फा० सं० 33/3/78-बि० कां० (कां० प्रा० सं० 2390) को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा स्टाम्प शुल्क की संगणना के प्रयोजन के लिए नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा में सम्परिवर्तन के लिए, वित्तियम की दर उसके स्तम्भ (3) में तत्संबंधी प्रविष्टियों में विहित करती है।

सारणी

क्रम सं०	विदेशी मुद्रा	100 रु० के समतुल्य विदेशी मुद्रा के वित्तियम की दर
1	2	3
1.	ऑस्ट्रियन शिल्लिंग	172
2.	ऑस्ट्रेलियन डॉलर	10.63
3.	बेल्जियम फ्रैंक	350

1 2 3

4.	कनाडियन डॉलर	14.56
5.	डेनिश क्रोनर	65.90
6.	डुखे मार्क	22.30
7.	डच गिल्डर	24.30
8.	फ्रैंच फ्रैंक	53.70
9.	हांग कांग डॉलर	58.10
10.	इटालियन लीरा	10140
11.	जापानी युन	2330
12.	मनेशियन डॉलर	28.20
13.	नार्वेजियन क्रोनर	63.30
14.	पौंड स्टर्लिंग	6.2205
15.	स्वीडिश क्रोनर	54.20
16.	स्विस फ्रैंक	18.60
17.	अमरीकी डॉलर	12.43

[सं० 25/78-स्टाम्प-फा० सं० 33/3/78-बि० कर]

एम० आर० वैद्य, प्रवर सचिव।

STAMPS

S.O. 3155.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) No. 18/Stamp-F. No. 33/3/78-ST (S.O. No. 2390) dated the 14th August, 1978, the Central Government hereby prescribe in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

TABLE

S. No. Foreign currency Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100/-

1	2	3
1.	Austrian Schillings	172
2.	Australian Dollars	10.63
3.	Belgian Francs	350
4.	Canadian Dollars	14.56
5.	Danish Kroners	65.90
6.	Deutsche Marks	22.30
7.	Dutch Guilders	24.30
8.	French Francs	53.70
9.	Hong Kong Dollars	58.10
10.	Italian Lire	10140
11.	Japanese Yen	2330
12.	Malaysian Dollars	28.20
13.	Norwegian Kroners	63.30
14.	Pound Sterling	6.2205
15.	Swedish Kroners	54.20
16.	Swiss Francs	18.60
17.	U.S.A. Dollars	12.43

[No. 25/78-Stamp-F. No. 33/3/78-ST]

M. R. VAIDYA, Under Secy

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

का०आ० 3156.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों की श्राव्य नियंत्रक और महिलाएँ परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (दूसरा संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 54 के उपनियम (3) के खंड (क) के प्रथम परन्तुक में "इस खंड के अधीन" शब्दों के स्थान पर "इस खंड के उपखंड (ii) के अधीन" शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे।

[फा०सं० 19(30)-ई बी (ए)/78]

एस०आर० अग्रवाल, अवर सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3156.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the first proviso to clause (a) of sub-rule (3) of rule 54 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, for the words "under this clause" the words "under sub-clause (ii) of this clause" shall be substituted:

[No. F. 19(30)-EV(A)/78]

S. R. AGRWALA, Under Secy.

राज्य मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का०आ० 3157.—भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (सं० 57) 1959 की धारा 8, उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक समिति का गठन करती है जिसमें निम्नलिखित अधिकारी होंगे :—

1. डा० जगजीत सिंह, भूतपूर्व अध्यक्ष, इंडियन इन्स एंड आरमास्यूटिकल्स लि०।

2. डा० पी० बी० पटनायक, एशियाई आर्थिक विकास संस्थान सदस्य के लिए संयुक्त राष्ट्र के भूतपूर्व सलाहकार, बैंकोक।

3. भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता का एक प्रतिनिधि सदस्य

4. संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) एवं सदस्य सांख्यिकी विभाग के वित्तीय सलाहकार।

5. निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन सदस्य

6. उप सचिव, सांख्यिकी विभाग सदस्य सचिव

एवं उक्त समिति को निम्नलिखित काम सौंपी है अर्थात् :—

1. (क) वर्ष 1979-80 के दौरान कलकत्ता स्थित भारतीय सांख्यिकीय संस्थान द्वारा प्रारंभ किये जाने वाले सहमति प्राप्त कार्यक्रमों का वर्णन वाले विवरणों को तैयार करना और केन्द्रीय सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना जिसके लिए केन्द्रीय सरकार निधि तथा इसी प्रकार के कार्य के लिए सामान्य वित्तीय अनुमान की व्यवस्था करना; और

(ख) कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा के बारे में समझौता करना।

2. 1979-80 का संशोधित अनुमान तैयार करते समय 1979-80 के लिए स्वीकृत कार्यक्रम तथा वित्तीय अनुमानों का अक्टूबर-नवम्बर, 1979 के आस पास पुनरीक्षण करना। समिति अपनी मुख्य रिपोर्ट (उपर्युक्त मद सं० 1 के संदर्भ में) 15 जनवरी, 1979 तक प्रस्तुत करेगी और पुनरीक्षण रिपोर्ट (उपर्युक्त मद सं० 2 के संदर्भ में) 15 नवम्बर, 1979 तक प्रस्तुत करेगी।

3. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और सांख्यिकी विभाग उसका सचिवालयीय कार्य पूरा करेगा।

[सं० एम-12011/6/78-आई०एस०आई०]

हरीशचन्द्रा, उप सचिव

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3157.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 8 of the Indian Statistical Institute Act (No. 57) of 1959, the Central Government hereby constitutes a Committee consisting of :—

1. Dr. Jagjit Singh, formerly Chairman, Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. Chairman

2. Dr. P. B. Patnaik, formerly UN Adviser to Asian Institute of Economic Development, Bangkok. Member

3. A representative of the Indian Statistical Institute Member

4. Joint Secretary, Ministry of Finance, Deptt. of Expend. and Financial Adviser to the Department of Statistics. Member

5. Director, Central Statistical Organisation. Member

6. Deputy Secretary Deptt. of Statistics Member-Secretary and assign the following duties to the said Committee namely :—

1. (a) preparation and submission to the Central Government of statements showing programmes of work agreed to be undertaken by the Indian Statistical Institute, Calcutta, during the year 1979-80 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work : and

(b) the settlement on broad lines of the programme of work.

2. review of the agreed programme of work and the financial estimates for 1979-80 at the time of formulation of the Revised Estimates for 1979-80, around October/November 1979.

2. The Committee shall submit its main report (in terms of item 1 above) by the 15th January, 1979 and the review report (in terms of item 2 above) by the 15th November, 1979.

3. The Department of Statistics shall render the secretariat functions of the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M-12011/6/78-ISI]
HARISH CHANDRA Dy. Secy.

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पुति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1978

का.प्रा. 3158.—केन्द्रीय सरकार अधिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन कानपुर कामडिटी एक्सचेंज लि., कानपुर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिये दिये गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को गुड़ की अधिम संविदाओं के बारे में 26 नवम्बर, 1978 से 25 नवम्बर, 1979 (जिसमें ये दोनों दिन भी शामिल हैं) को एक वर्ष की अतिरिक्त कारावाधि के लिये मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा, प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर दिये जायें।

[मि.सं. 12(18)-आई.टी. 78]

के.एस. मैथ्यू, उप सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 9th October, 1978

S.O. 3158.—The Central Government in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Kanpur Commodity Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 26th November, 1978 to the 25th November, 1979 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12(18)-IT/78]

K. S. MATHEW, Dy. Secy.

मुख्य नियंत्रक, आपात-निर्वास का कार्यालय

भारत

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

का.प्रा. 3159.—महेश्वरी प्रोसीजन बिद्यरिंग इंडिया लिमिटेड, बड़ौदा को ग्वारह्वेन आई.सी.ए. गण-टी.डी.एफ. सं. 616-आई एन के अन्तर्गत प्रोसीजन माल के आयात के लिए 22,39,664 रुपये (बाईस लाख उनतालिस हजार छ सौ चौंसठ रुपये) का आयात लाइसेंस सं. पी.सी.जी./2071741 दिनांक 2-6-77 प्रदान किया गया था। फर्म ने उक्त लाइसेंस की अनुमति सीमा-शुल्क प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस सीमा-शुल्क कार्यालय बम्बई में पंजीकृत था, उसका 12,89,664 रुपये तक उपयोग हो गया है और उसमें 9.5 लाख रुपये का उपयोग करना शेष है।

अपने तर्कों के समर्थन में, लाइसेंसधारी ने स्टैम्प पेपर पर बड़ौदा के नोटरी पब्लिक के सम्मुख विधिवत शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि फर्म द्वारा मूल लाइसेंस सं. पी.सी.जी./

2071741 दिनांक 2-6-77 खो गया है। यथासंगोषित आयात (नियंत्रण) भारत, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री प्रोसीजन बिद्यरिंग इंडिया लिमिटेड, बड़ौदा को जारी किए गए लाइसेंस सं. पी.सी.जी./2071741 दिनांक 2-6-77 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

उक्त लाइसेंस की एक सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुमति शपथ से जारी की जा रही है।

[सं. 785/77/12/सी जी. 1]

जी.एस. ग्रेवाल, उप मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3159.—M/s. Precision Bearing India Ltd., Baroda were granted an import licence No. P/CG/2071741 dt. 2-6-77 for Rs. 22,39,664 (Rupees Twenty Two Lakh Thirty Nine Thousand Six Hundred and Sixty Four only) for import of Capital Goods under XIth I. D. A. Credit T. D. F. No. 616-In. The firm has applied for issue of Duplicate of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been stated that the licence was registered with Bombay Customs and has been utilised partly to the extent of Rs. 12,89,664 leaving a balance of Rs. 9.5 lakhs.

In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before Notary Public of Baroda. I am accordingly satisfied that the original licence No. P/CG/2071741 dated 3-6-77 has been lost by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purpose copy of Import Licence No. P/CG/2071741 dated 2-6-1977 issued to M/s. Precision Bearings India Ltd., Baroda is hereby cancelled.

A duplicate Customs purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. 785/77/12/CG. I]

G: S. GREWAL, Dy. Chief Controller

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

(रबर नियंत्रण)

क.प्रा. 3160.—केन्द्रीय सरकार, रबर नियम, 1955 के नियम 4 के माथ पठित रबर अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अधिसूचित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (ड) के अधीन राज्य सभा द्वारा संसद सदस्य श्री चेंगलराया नायडू को, सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 11 फरवरी 1980 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अथवा उस अवधि के लिए जब तक वे राज्य सभा के सदस्य बने रहते हैं, जो भी कम हो, रबर बोर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

[फा.सं. 15(1)/78-प्वांट (बी)]

एम. महादेव अय्यर, उप निदेशक

(Department of Commerce)

New Delhi, the 18th October, 1978

(RUBBER CONTROL)

S.O. 3160.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947), read with rule 4 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby notifies that Shri N.P. Chengalraya Naidu, Member of Parliament, has been elected by the Council of States as a member

of the Rubber Board, under clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the said Act for a period commencing from the date of publication of this notification in the Official Gazette and ending with 11th February, 1980, or for the period during which he continues to be a member of Rajya Sabha, whichever is less.

[File No. 15(1)/78-Plant(B)]

S. MAHADEVA IYER, Dy. Director.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

शुद्धिपत्र

का० प्रा० 3161.—भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में दिनांक 9 अक्टूबर, 1978 को प्रकाशित आदेश सं० का० प्रा० 590(अ), दिनांक 9 अक्टूबर, 1978 के द्वितीय रूपान्तर पृष्ठ 1208, ऊपर से दूसरी पंक्ति में "पांच" के स्थान पर "तीन" पढ़ा जाए।

[का० सं० 20/15/76-जूट]

सु० दवे, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 18th October, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3161.—In this Ministry's order No. S.O. 590(F) published in the Gazette of India Extraordinary of 9th October 1978, in part II Section 3 of Sub-section (ii) in the last part of para (1) relating to the terms and conditions at Sl. No. (2), the word "five" may be substituted with the word "three".

[F. No. 20/15/76—Jute]

S. DAVE, Under Secy.

हस्तात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

शुद्धिपत्र

का० प्रा० 3162.—दिनांक 8 जुलाई, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, हस्तात और खान मंत्रालय, खान विभाग की दिनांक 8 जून, 1978 की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 2014 में पृष्ठ 1785 पर पंक्ति 9 में "15-5-78" के स्थान पर "3-7-1978" पढ़ा जाए।

[फाइल सं० 11(36)/77-ख-5/ख-6मम]

मदन मोहन ब्रह्मशी, अवर सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 18th October, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3162.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) S.O.No. 2014 dated the 8th June, 1978 published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the

8th July, 1978 at page 1785, in line 9 for "15-5-1978" read "3-7-1978".

[File No. 11(36)/77-M5/M6/MM]

M.M. BAKSHI, Under Secy.

उर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

का० प्रा० 3163.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 3153, तारीख 28 अगस्त, 1978 द्वारा इससे उपायय अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिच्छेद में 7225.00 एकड़ (लगभग) या 2923.81 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमि की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 28 अगस्त, 1978 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार ऐसी भूमि को या ऐसी भूमि में के किसी अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

जयंती खंड

जयंती कोयला क्षेत्र

का० सं० राज० 18/78

तारीख : 1-3-76

(जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमियां दर्शाई हैं)

क्रम सं०	ग्राम सं०	ग्राम सं०	अंचल उप-खण्ड	जिला	क्षेत्र-फल	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. कालाझारिया	1	जाम-तारा	जाम-तारा	संथाल परगना		भाग
2. पिपरा	467	करन	देवघर	"		"
3. नैजुतानर	468	"	"	"		"
4. खुरखुरिया	469	"	"	"		"
5. भण्डारो	470	"	"	"		"
6. घास्को	481	"	"	"		"
7. खमरवाव	482	"	"	"		पूर्ण
8. खरजोरी	483	"	"	"		भाग
9. काओ	539	"	"	"		"
10. बांसजोरा	540	"	"	"		पूर्ण
11. महुआतनर	541	"	"	"		"
12. सिमरा	553	"	"	"		"
13. जगडीह	554	"	"	"		"
14. दिगबाद	557	"	"	"		"
15. बाँदिया	558	"	"	"		"
16. हर्नी	559	"	"	"		भाग
17. सागरभोगा	592	"	"	"		"

1	2	3	4	5	6	7	8	बी-सी	साइन देवघर उपखण्ड के भण्डारी, बास्को, महुआतनर, सिमरा, जगाडीह, विगबाव, नागादरी, भोरदिहा, बबाभार ग्रामों, जामतारा उपखण्ड के कालासरिया तथा देवघर उपखण्ड के केनाबरिया और राखीदीह ग्रामों से होकर जाती है।
18.	बास्कुपी	594	करम	देवघर	संथाल परगना		भाग		
19.	कालीबंद	595	"	"	"		पूर्ण		
20.	मिश्रा	596	"	"	"		पूर्ण	सी-डी	लाइन रानीदीह, सोनाबाक और चोवकियारी ग्रामों से होकर जाती है।
21.	नागादरी	597	"	"	"		भाग		
22.	भोरनविहा	598	"	"	"		"	डी-ई	लाइन उस नदी की मध्य रेखा, जो चातुकियारी और नानी-यासानर ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है, चोवकियारी और जमदाबाद, चोवकियारी और आसनवानी, बीरनगरिया और जसोबांध, बीरनगरिया और कोईराको, बीरनगरिया और चंवरियाजोरी ग्रामों की या साम्य सीमा तथा बीरनगरिया और गोरमारा ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
23.	बबंशार	600	"	"	"		"		
24.	सिरसिया	601	"	"	"		पूर्ण		
25.	बिराजपुर	602	"	"	"		"		
26.	धनियादीह	603	"	"	"		भाग		
27.	काश्चो	604	"	"	"		पूर्ण		
28.	पहाड़वाहा								
	या								
	मदनकैटा	605	"	"	"		भाग	ई-एफ	लाइन जोरभारा, काठमिरखी गौर सागरभांगा ग्रामों से होकर जाती है।
29.	काठमिरखी	607	"	"	"		"		
30.	गोरमाड़ा	610	"	"	"		"	एफ-जी	लाइन बाघदारा नदी की (जो बास्कुपी और तिलबरिया बादिया और नवाडीह ग्रामों की सामान्य सीमा है तथा बादिया और हनी की ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है। आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।
31.	बीरनगरिया	611	"	"	"		पूर्ण		
32.	चोवकियारी	618	"	"	"		भाग		
33.	गन्धुबा	619	"	"	"		पूर्ण		
34.	सिवातनर	620	"	"	"		"		
35.	सोमबाक	621	"	"	"		भाग	जी-ए	लाइन हनी, काग्रो, खरजोरी और पिपरा ग्रामों से होकर जाती है और आरंभ बिन्दु 'ए' पर मिलती है।
36.	केनाबरिया	622	"	"	"		"		
37.	रानीडी	640	"	"	"		"		

कुल क्षेत्रफल : 7225.00 एकड़ (लगभग)

या 2923.81 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा वर्णन :

ए-बी लाइन पिपरा, बैजुतनर, खुरखुरिया और भण्डारी ग्रामों से होकर जाती है।

[सं० 19(39)/76-सीईएल]

एस० आर० ए० रिजर्वी, निवेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 18th October, 1978

S.O. 3163.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3153 of 28th August 1976, under sub-section (i) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 7225.00 acres (approximately) or 2923.81 hect. (approximately) in the locality specified in the Schedule appended hereto:

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 28th August, 1978, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

JAYANTI BLOCK
JAYANTI COALFIELD

Drg. No. Rev./16/76

Dated : 1-3-76.

(Showing lands notified for prospecting).

Serial number	Village	Village number	Anchal	Sub-Division	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Kalajharia	1	Jamtara	Jamtara	Santhal Pargana		Part
2.	Pipra	467	Karan	Deoghar	"		"
3.	Bajjutnir	468	"	"	"		"
4.	Khurkhuriya	469	"	"	"		"

1	2	3	4	5	6	7	8
5.	Bhandaro	470	Karan	Deoghar	Santhal Pargaras		Part
6.	Ghasho	481	"	"	"		"
7.	Khamarbad	482	"	"	"		Full
8.	Kharjori	483	"	"	"		Part
9.	Kao	539	"	"	"		"
10.	Bansjora	540	"	"	"		Full
11.	Manuatani	541	"	"	"		Part
12.	Simra	553	"	"	"		"
13.	Jagadih	554	"	"	"		"
14.	Digbad	557	"	"	"		"
15.	Badiya	558	"	"	"		Full
16.	Harni	559	"	"	"		Part
17.	Sagarbhanga	592	"	"	"		"
18.	Baskupi	594	"	"	"		"
19.	Kalibandh	595	"	"	"		Full
20.	Misra	596	"	"	"		"
21.	Nagadari	597	"	"	"		Part
22.	Bhorandiha	598	"	"	"		"
23.	Burbshar	600	"	"	"		"
24.	Sirsiya	601	"	"	"		Full
25.	Birajpur	602	"	"	"		"
26.	Dhaniyadhi	603	"	"	"		Part
27.	Kalho	604	"	2	2		Full
28.	Pahardaha or Madanketa	605	"	"	"		Part
29.	Kathmirkhi	607	"	"	"		"
30.	Gormara	610	"	"	"		"
31.	Birangariya	611	"	"	"		Full
32.	Chobkiyari	618	"	"	"		Part
33.	Ganduba	619	"	"	"		Full
34.	Sivatanr	620	"	"	"		"
35.	Sonabank	621	"	"	"		Part
36.	Kenabariya	622	"	"	"		"
37.	Ranidi	640	"	"	"		"

Total area : 7225.00 acres (approx.)

or 2923.81 hect. (approx.)

BOUNDARY DESCRIPTION:

A-B line passes through villages Pipra, Barjutani, Khurkhuriya and Bhandaro.

B-C line passes through villages Bhandaro, Ghasko, Mahuatani Simra, Jagadih, Digbad, Nagadari, Bhorandiha, Burbshar of Deoghar Sub-division, Kalajharia of Jamtara Sub-division and Kenabariya & Ranidih of Deoghar Sub-division.

C-D line passes through villages Ranidih, Sonabank, Chobkiyari.

D-E line passes along the central line of the River which forms part common boundary with the villages of Chobkiyari and Naniyatani, common boundary with the villages of Chobkiyari & Jamdapa, Chobkiyari & Asanbani, Birangariya & Jashobandh, Birangariya & Koirako, Birangariya & Chandajori, part common boundary of villages Birangariya & Gormara.

E-F line passes through villages Gormara, Kathmirkhi & Sagarbhanga.

F-G line passes along the part Central line of Baghdara Nadi (which forms common boundary with the villages of Baskupi and Tilberiya, Badiya & Nawadih and forms part common boundary of villages Badiya and Harni).

G-A line passes through villages Harni, Kao, Kharjari and Pipra and meets at starting point 'A'.

Note:—Excluding the portion bounded by H-I-J-K-L-M-N and H which passes through villages Baskupi, Dhaniyadhi, along the part common boundary of villages Dhaniyadhi & Pahardaha or Madanketa through village Pahardaha & Kathmirkhi along the part common boundary of villages Sagarbhanga & Kashitani then through village Sagarbhanga.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1978

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 21st October, 1978

का० प्र० 3164 :—केन्द्रीय सरकार, सामान्य श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1937 के नियम 4 के खण्ड (अ) और (ब) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत बेसन के पैकजों पर एगमार्क के लेबलों के चिपकाए जाने के लिए 0.75 पैसे प्रति क्विंटल की दर से प्रभार नियत करती है।

[सं० 13-4/77-ए० एम०]

S.O. 3164.—In exercise of the powers conferred by clauses (i) and (k) of rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the Central Government hereby fixes, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, the charges for Agmark Labels to be affixed on the packages of Besan (Gram flour) graded under Agmark at the rate of Rs. 0.75 paise per quintal.

[No. F. 13-4/77-AM]

का० प्र० 3165. लम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए उन नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नीकरण) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त खण्ड की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिनका इससे प्रभावित होना सम्भाव्य है तथा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, उस राजपत्र के, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाए, जनता को उपलब्ध होने की तारीख से एक माह की अवधि समाप्त होने के बाद विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के संबंध में ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व किसी भी व्यक्ति से प्राप्त होने वाले आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

संशोधन प्रारूप

1. इन नियमों का नाम लम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नीकरण (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. लम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1937 में:—

(1) अनुसूची-2 में (क) श्रेणी अभिधान "4" और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अतिरिक्त श्रेणियां अंतः स्थापित की जाएगी।

श्रेणी अभिधान	रंग	बनावट	कार्य और दशा
1	2	3	4
सी० 1-4	चमकीला नींबू और/या चमकीला नारंगी और/या पीले से चमकीला नारंगी	गाधारण से मध्यम	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 70 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।
एफ० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।
एस० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 30 प्रतिशत तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।
टी० 1-4	—यथोक्त—	—यथोक्त—	अच्छी काय, पत्ते या टुकड़े जिसमें ऐगमार्क श्रेणी 1 से 3 तक हैं, कुल मिलाकर कम से कम 15% तथा शेष ऐगमार्क श्रेणी 4 की।

(ख) पाद टिप्पण में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा:—

(i) दत्त संयुक्त श्रेणियों की पैकिंग और निर्यात, निर्यात/आयातकर्ता के लिखित आदेश के अनुसार किया जाएगा।

(ii) जिन पैकेजों पर संयुक्त श्रेणी लिखा होगा उन्हें खुले बाजार में नहीं बेचा जाएगा, परन्तु यदि निर्यात/आयातकर्ता परेषण रक्षोकार नहीं करना तो प्राधिकृत पैकर को, उसके द्वारा इस संबंध में इसी आणख का समाधानप्रद साक्ष्य कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के समक्ष पेश करने पर इस प्रकार का लम्बाकू खुले बाजार में बेचने की अनुमति दी जा सकती है।

(ग) "डार्क बिट्स" "ब्राइट पी० एल०" "डार्क पी० एल०" और "स्टेम्स" श्रेणियों के बाद निम्नलिखित श्रेणियां, अर्थात् "सामान्य बिट्स" "सेमी ब्राइट पी० एल०" "सामान्य पी० एल०" "स्टेम्स और स्टेम बिट्स" जोड़ी जाएगी।

श्रेणी अभिधान	रंग	बनावट	कार्य और वशा
1	2	3	4
सामान्य बिट्स	श्रेणी 4, एल बी आई, एल बी आई 2, बी एल जी, एल एम जी और एम जी का रंग। डी जी का रंग या डी बी का रंग 3.5 प्रतिशत तक अनुज्ञेय है।	मध्यम से खुदरा	कम से कम 5 सेंटीमीटर लम्बे टुकड़े
सेमी-ग्राइट पी एल	श्रेणी एल बी आई, एल बी आई, बी और एल एम जी का रंग	—यथोक्त—	ऐसा काय, जो किसी भी पूर्ववर्ती मूल श्रेणी में नहीं आता।
सामान्य पी एल	श्रेणी 4, एल बी आई, एल बी आई 2, एम जी, एल एम जी और एम जी का रंग। डी जी का रंग या डी बी का रंग 3.5 प्रतिशत तक अनुज्ञेय है।	—यथोक्त—	—यथोक्त—
स्टेम्स और स्टेम-बिट्स	—	—	इसमें सम्पूर्ण मिड-रिब, तथा वर्जीनिया प्रजाति की तम्बाकू और उसकी संकर किस्म से मिड-रिब निकालने के समय बचे हुए हटाये गये मिड-रिब के टुकड़े।
टेम बिट्स	—	—	वर्जीनिया प्रजाति की तम्बाकू और उसके संकर किस्म से प्राप्त किए गये मिड-रिब के कोई भी टुकड़े जो विजातीय पदार्थों से मुक्त हों।

(ii) अनुसूची 2 के बाद निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:—

अनुसूची 2 क

भारत में उत्पादित विनिर्मित फ्ल्यू-क्यूर्ड वर्जीनिया (पिटार्ड के बाद का पत्रदल) तम्बाकू का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

1. पिटार्ड हुआ पत्र दल फ्ल्यू-क्यूर्ड वर्जीनिया प्रजाति की और उनकी संकर किस्म की—जिनके अभिलक्षण एक जैसे हों, श्रेणीकृत तम्बाकू को पीटकर प्राप्त किया जाता है और इसमें पत्तों के ऐसे सिरे, जो पत्ते की लगभग तिहाई लम्बाई को काटकर प्राप्त होते हों, और शिरा कटी पत्ती को यंत्र द्वारा पीटकर प्राप्त मिश्र भिन्न तम्बाकू के छोटे-बड़े टुकड़े (बचा हुआ भाग) हैं।

2. पिटार्ड हुए पत्रदल में पत्तों के सिरे और सिरे कटे पत्तों से प्राप्त विभिन्न लम्बाई के ऐसे छोटे-बड़े टुकड़े हैं, जो यंत्रों से तोड़े गए हों, किन्तु इस संबंध में सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

- (क) पत्ते के सिरों का आकार लम्बाई में 3" से 6" के बीच होगा।
- (ख) सिरे काट कर बचे हुए छोटे बड़े टुकड़ों का आकार लम्बाई में 1/4" से 6" के बीच होगा।
- (ग) पत्तों के सिरों का भार कुल पत्रदल के भार के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
- (घ) पिटार्ड हुए पत्रदल में, कुल तम्बाकू में, 1/2" से अधिक लम्बे टुकड़े कम से कम 70 प्रतिशत (भार के अनुसार) होंगे।
- (ङ) पिटार्ड हुए पत्रदल में, कुल तम्बाकू में 1/4" के आकार से कम के टुकड़े 10 प्रतिशत (भार के अनुसार) से अधिक नहीं होंगे।
- (च) पिटार्ड हुए पत्र दल में कुल तम्बाकू में स्टेम भार के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

3. पिटार्ड हुए पत्रदल का निर्यात और पैकिंग निम्नलिखित शर्तों पर होगी।

- (i) पिटार्ड हुए पत्रदल का निर्यात और पैकिंग केवल पक्के आदेश के अनुसार होगा।
- (ii) पिटार्ड हुए पत्रदल के लिए निरिष्ट की जाने वाली श्रेणी पिटार्ड के लिए सारे पत्ते भोजने से पहले अवधारित की जाएगी। अनुसूची 2 में बताये गये विनिर्मित फ्ल्यू-क्यूर्ड वर्जीनिया तम्बाकू को लागू होने वाला श्रेणी-निर्दिष्ट, तम्बाकू को पिटार्ड संयंत्र में डालने से पहले, प्रबलित किया जाएगा।
- (iii) किसी विशिष्ट श्रेणी के लिए निरीक्षित और अनुमोदित तम्बाकू का ही, निरीक्षण अधिकारी की उपस्थिति में, पिटार्ड की अनुमति दी जाएगी, और ऐगमार्क लेबल पर "पिटार्ड हुआ पत्रदल" शब्द कोष्ठक में तथा श्रेणी-अभिधान चिह्न के साथ साथ प्रकट किए जाएंगे।
- (iv) ऐगमार्क को हुई विनिर्मित फ्ल्यू-क्यूर्ड वर्जीनिया तम्बाकू के पैकेजों की भांति ही श्रेणीकृत "पिटार्ड हुआ पत्रदल" तम्बाकू के पैकेज भी प्रायिक चैक सैम्पलिंग और चैक निरीक्षण के अधीन होंगे।

5. (iii) अनुसूची 3 में बी बी आर और बी डी आर श्रेणियों के बाद निम्नलिखित अतिरिक्त श्रेणियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

विशिष्ट लक्षण

श्रेणी अभिधान	रंग	बनावट	दोष
1	2	3	4
प्रो एल बी बाई	पीला और/या नारंगी से चमकीला भूरा और/या चमकीला भूरा पीला/नारंगी, हल्का भूरा और या/हल्के से कुछ गहरा हरा	साधारण से मध्यम	हल्की से लेकर अच्छी काय का, जिसमें पौधे में तीखे से लेकर ऊपर तक की पत्तियां आती हैं। पत्तों में भूरे या हरे धब्बे, फोड़े, खरोच या अन्य दाग सम्पूर्ण क्षेत्रफल के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए।
प्रो डी जी बी	गहरा हरा भूरा और/या गहरा भूरा	मध्यम से खुरदरा	हल्की से लेकर भारी काय का, जिसमें पौधे में तीखे से लेकर ऊपर तक की पत्तियां आती हैं। पत्तों में अधिक दाग भी हो सकते हैं। किन्तु कुल क्षेत्रफल के 90 प्रतिशत तक ही।

[सं० 13-3/76-ए० एम०]

S.O. 3165.—The following draft of rules further to amend the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the Official Gazette containing this notification is made available to the public.

Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft before the date specified above will be considered by the Central Government:

DRAFT AMENDMENTS

1. (1) These rules may be called the Tobacco Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

(2) In the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937:—

(i) in Schedule II,—

(a) after grade designation “4” and the entries relating thereto, the following additional grades shall be inserted, namely:—

“Grade Designation	Colour	Texture	Body and condition
1	2	3	4
*C.1-4	Bright Lemon and/or bright orange and/or Yellow to bright orange.	Fair to Medium	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 70 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*F.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 45 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*S.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 30 per cent and the balance of Agmark grade 4.
*T.1-4	-do-	-do-	Good body leaves or strips consisting of Agmark grades 1 to 3 put together not less than 14 per cent and the balance of Agmark grade 4.

(b) in the footnotes, the following shall be added at the end, namely:—

“(i) The packing and export of these composite grades must be against a written order from a manufacturer/importer.

“(ii) The packages labelled as composite grades shall not be sold in the open market, provided that in case the manufacturer/importer does not accept the consignment, the authorised packer on producing the satisfactory evidence to that effect to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or to any other officer authorised by him in this behalf may be permitted to sell such tobacco in the open market”;

(c) after the grades “Dark Bits”, “Bright PL”, “Dark PL” and “Stems”, the following additional grades, namely ‘General Bits’, ‘Semi-Bright PL’, ‘General PL’, ‘Stems and Stem Bits’, and ‘Stem-Bits’ shall be added:—

“Grade Designation	Colour	Texture	Body and condition
1	2	3	4
General Bits	Colour of Grades 4, LBY, LBY2, B, LG, LMG and MG. The colour of either DG or DB is permissible upto the extent of 35% only.	Medium to Coarse	Broken pieces of not less than 5 centimetres long.
Semi-Bright PL	The colour of Grades LBY, LBY2, B and LMG	-do-	Body not covered by the description given for any of the foregoing straight grades.

1	2	3	4
General PL	Colour of Grades 4, LBY, LBY2, B, and LMG	-do-	-do-
Stems and Stem Bits	—	—	Shall consist of whole mid-ribs and pieces of mid-ribs removed in the process of stemming from Virginia variety of tobacco and their hybrids.
Stem-Bits	—	—	Shall consist of any pieces of mid-ribs obtained from Virginia varieties of tobacco and their hybrids and shall be free from extraneous matter. ”;

(ii) After Schedule II, the following Schedule shall be inserted, namely:—

“SCHEDULE II-A

Grade designation and definition of unmanufactured Flue-cured Virginia (Threshed Lamina) tobacco grown in India

1. Threshed lamina is derived from graded tobacco leaves of Flue-cured Virginia varieties and their hybrids having similar characteristic by threshing and shall consist of leaf tips obtained by cutting about 1/3 length of leaf and broken bits or pieces of varying lengths obtained by threshing the tipped leaf (remaining portion) mechanically.

2. Threshed lamina comprises of leaf tips and mechanically broken bits or pieces of lamina of varying lengths obtained from the tipped leaf subject to the following limitations:—

- The size of leaf tips shall be between 3" to 6" in length.
- The size of broken bits or pieces obtained from the tipped leaf shall be in between $\frac{1}{4}$ " to 6" in length.
- The weight of leaf tips shall not exceed 25% by weight of the total lamina.
- Threshed lamina shall contain a minimum of 70% (by weight) of pieces of over $\frac{1}{4}$ " in length in the total product.
- Threshed lamina shall not contain more than 10% (by weight) of pieces of less than $\frac{1}{4}$ " in size in the total product.
- The total stem in the threshed lamina shall not exceed 5% by weight of the total product.

3. The packing and export of threshed lamina is subject to the following conditions:—

- The packing and export of threshed lamina is against firm order only.
- The grade to be assigned for the threshed lamina shall be determined before the whole leaf is issued for threshing. The grade specifications applicable to the unmanufactured Flue-Cured Virginia tobacco as laid down in Schedule-II shall be enforced before putting the tobacco in the threshing plant.
- Only tobacco inspected and approved for a particular grade shall be allowed for threshing in the presence of an inspecting officer and on the Agmark Label the words “Threshed Lamina” shall be stamped in bracket alongside the grade designation mark.
- Graded “Threshed Lamina” tobacco packages are subjected to usual check sampling and check inspection as in the case of Ag-marked unmanufactured Flue-cured Virginia tobacco packages.”

(iii) In Schedule III, after the grades “VBR” and “VDR”, the following additional grades shall be added, namely:—

SPECIAL CHARACTERISTICS

“Grade Designation	Colour	Texture	Blemish
1	2	3	4
OLBY	Yellow and/or Orange to bright brown and/or bright Medium brownish yellow/orange; light brownish and/or light to darkish green.	Fair to Medium	Light to good body, embodying leaves from the various plant position from bottom to top leaves. Leaves may have brown or green patches spongy, brushed or other blemishes, but not exceeding 50% of the total area.
ODGB	Dark green brown and/or Burnt Brown.	Medium to Coarse	Light to heavy body, embodying leaves from the various plant positions from bottom to top leaves. Leaves may be heavily blemished upto 90% of the total area.

का० भा० 3166.—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न-नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कारखाना मक्खन श्रेणीकरण और चिह्ननांकन नियम, 1941 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी से व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उस प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम कारखाना मक्खन श्रेणीकरण और चिह्ननांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कारखाना मक्खन श्रेणीकरण और चिह्ननांकन नियम, 1941 में,—

(1) नियम 6 में खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

(क) साफ अक्षरों और अंकों में पैकिंग का मास और वर्ष

(ख) खण्ड (ग) में, अक्षर और अंक “1 ग्रां, 2 ग्रां, 1 पौंड, 5 पौंड, या 36 पौंड,” के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“25 ग्रा०; 50 ग्रा०; 100 ग्रा०; 200 ग्रा०; 250 ग्रा०; 500 ग्रा०; 1 कि०ग्रा०; 2 कि०ग्रा०; 5 कि०ग्रा० और तत्पश्चात् 5 कि०ग्रा० के गुणजों में।

(2) अनुसूची-1, में, मद (ग) में स्तम्भ 4 में के साधारण लक्षणों के अन्तर्गत अक्षर और अंक “60 फा०” के स्थान पर अक्षर और अंक “15 से०” रखे जाएंगे।

[सं० 13-11/77-ए०एम०]

S.O. 3166.—The following draft of certain rules to amend the Creamery Butter Grading and Marking Rules, 1941 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any persons with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Creamery Butter Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Creamery Butter Grading and Marking Rules, 1941, namely:—

(1) In rule 6—for clause (a) the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) Month and year of packing in plain letters and figures ”;

739 GI/78—3

(b) in clause (d) for the letters and figures 1 oz; 2 oz; 4 oz; 1 lb; or 36 lb; the following shall be substituted, namely:—

“25 gm; 50 gm; 100 gm; 200 gm; 250 gm, 500 gm, 1 Kg; 2 Kg; 5 Kg, and thereafter in multiples of 5 Kg.”.

(2) in Schedule I, under General Characteristics in Column 3 in item (c), for the letter and figures “60°F,” the letter and figure “15°C” shall be substituted.

[No. F. 13-11/77-AM]

का० भा० 3167.—शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्ननांकन नियम, 1956 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्ननांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को यह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है जनता को उपलब्ध कराया जाता है। पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्ननांकन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. शोरबा-मसाला श्रेणीकरण और चिह्ननांकन नियम, 1956 में नियम 6 में, उपनियम, (i) और (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(i) श्रेणी अधिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर अच्छी तरह चिपकाया या मुद्रित किया जाएगा।

(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विनिर्देशों भी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात्:—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,

(ख) लाट की संख्या, और

(ग) शुद्ध भार।”

[सं० 13-12/75-ए०एम०]

S.O. 3167.—The following draft of certain rules further to amend the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Curry powder Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

- (a) date of packing and date of expiry,
- (b) lot number, and
- (c) net weight.”

[No. F. 13-12/75-AM]

का०आ० 3168—इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को वह राजपत्र, जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है, जनता को उपलब्ध कराया जाना है। पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. इलायची श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम 1962 में, नियम 6 में, उपनियम (i) और (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) श्रेणी अधिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकारी द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर अच्छी तरह चिपकाया या मुद्रित किया जाएगा।

(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियाँ भी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात् :—

- (क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख।
- (ख) लाट की संख्या और,
- (ग) शुद्ध भार।”

[सं० 13-12/75-ए०एम०]

S.O. 3168.—The following draft of certain rules further to amend the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the section, for

the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cardamom Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

In the Cardamom Grading and Marking Rules, 1962, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instruction issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

- (a) date of packing and date of expiry,
- (b) lot number, and
- net weight.”

[No. F. 13-12/75-AM]

का०आ० 3169—हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को वह राजपत्र, जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है जनता को उपलब्ध कराया जाना है। पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1964 में, नियम 6 में (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियाँ भी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात् :—

- (क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,
- (ख) लाट की संख्या, और
- (ग) शुद्ध भार।”

[सं० 31-12/75-ए०एम०]

S.O. 3169.—The following draft of certain rules further to amend the Chilli Powder Grading and Marking Rules, 1964, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Chilli Powder Grading and Marking (Admendment) Rules, 1978.

2. In The Chilli Powder Grading and Marking Rules, 1964 in rule 6, for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

- (a) date of packing and date of expiry,
- (b) lot number, and
- (c) net weight.”

[No. F. 13-12/75-AM]

का०प्र० 3170:—सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे, केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नान्कन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिस तारीख को वह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है जनता को उपलब्ध कराया है। पैंतालिस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नान्कन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. सौंफ (साबूत और पिसी हुई) मैथी (साबूत और पिसी हुई) और अजवाइन (साबूत) श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1967 में, नियम 6 में, उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां भी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से प्रंकित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,

(ख) लॉट की संख्या, और

(ग) शुद्ध भार।”

[का० सं० 13-12/75-ए०एम०]

S.O. 3170.—The following draft of certain rules further to amend the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Cumin Seeds Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, in rule 6, for sub-rules (i) and (ii), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(i) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely :—

- (a) date of packing and date of expiry,
- (b) lot number, and
- (c) net weight.”

[No. F. 13-12/75-AM]

का०प्र० 3171:—काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नान्कन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को वह राजपत्र, जिसमें यह अधिसूचना समाविष्ट है, जनता को उपलब्ध कराया जाना है, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नान्कन (संशोधन) नियम, 1978 है।

2. काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1969 में, नियम 6 में, उपनियम (ii) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(ii) उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां भी कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस बाबत जारी किए गए अनुदेशों

के अनुसार प्रत्येक पात्र पर स्पष्टतया और अमिट रूप से अंकित की जाएगी, अर्थात्:—

- (क) पैकिंग की तारीख और उपयोगिता समाप्ति की तारीख,
- (ख) लाट संख्या, और
- (ग) शुद्ध भार।”

[फा० सं० 13-12/75 ए० एम०]

प्रकाश चंद्र, अवर सचिव

S.O. 3171.—The following draft of certain rules further to amend the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery Seeds (Whole), Grading and Marking Rules, 1956, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery seeds (Whole Grading and Marking (Amendment) Rules, 1978.

2. In the Fennel (Whole and Ground), Fenugreek (Whole and Ground), and Celery Seeds (Whole) Grading and Marking Rules, 1967, in rule 6, for sub-rule (ii), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(ii) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container as per instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser in this regard, namely:—

- (a) date of packing and date of expiry,
- (b) lot number, and
- (c) net weight.”

[No. F. 13-12/75-AM]

Prakash Chander, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का० प्रा० 3172.—राष्ट्रपति, सरकारी निवास स्थान ब्राबंटन (दिल्ली साधारण पूल) नियम, 1963 के अनुसूचक नियम 318-ख-2 के खण्ड (ख) के अनुसार 1-12-1978 को प्रारम्भ होने वाली और 31 दिसम्बर, 1980 को समाप्त होने वाली अवधि की ब्राबंटन वर्ष की अवधि के रूप में अधिसूचित करते हैं।

[फा० सं० 12033(16)/77-नीति-2]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3172.—In pursuance of clause (b) of S.R. 317-8-2 of the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the President hereby notifies the period commencing on the 1st day of December, 1978 and ending on the 31st day of December, 1980 as the period of the allotment year.

[F. No. 12033(16)/77-Pol. II]

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1978

का० प्रा० 3173.—राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपबंधों के अनुसार में, सरकारी निवास-स्थान ब्राबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान ब्राबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) छट्ठा संशोधन नियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी निवास स्थान ब्राबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, अनुसूचक नियम 317-ख-5 में, सारणी में, स्तम्भ 2 के शीर्ष में, “ब्राबंटन वर्ष के, जिसमें ब्राबंटन किया गया है, प्रथम दिन को” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“ऐसी तारीख को जो सम्बद्ध ब्राबंटन वर्ष के प्रयोजन के लिए त्रिनि-विष्ट की जाए”।

[फा० सं० 12033(8)/78-पोल० II]

जी० रामचन्द्रन्, संपदा उप निदेशक

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3173.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Sixth Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, in Supplementary Rule 317-B-5, in the Table, in the heading of column 2, for the words “on the first day of the allotment year in which the allotment is made”, the following words shall be substituted, namely:—

“on such date as may be specified by the Central Government for the purpose of the allotment year concerned”.

[F. No. 12033(8)/78-Pol. II]

G. RAMACHANDRAN, Dy. Director

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1978

सार्वजनिक सूचना

का० प्रा० 3174.—केन्द्रीय सरकार जोन डी-4 (पालियामेंट स्ट्रीट) के क्षेत्रीय विकास योजना चित्र में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है, जिसे एतद्वारा सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है। इस संशोधन के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति या सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, 5वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्र-प्रस्थ हस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज दें। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव दें वे अपना नाम एवं पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

“लगभग 0.81 है (2.0 एकड़ का क्षेत्र जो भू-खण्ड सं० 9, रफी मार्ग, का भाग है। यह क्षेत्र जोन -“डी”-4 (पालियामेंट स्ट्रीट) में पड़ता है, जो उत्तर तथा उत्तर पूर्व में सेवा पथ (सविन रोड) दक्षिण

एवं दक्षिण पूर्व में आवासीय क्षेत्र, पश्चिम में रफी मार्ग (120' चौड़े) तथा उत्तर पश्चिम में 40 फुट चौड़ी सड़क द्वारा घिरा हुआ है। इसे अब "सरकुलेशन" (पाकिंग) से "संस्थानीय (इन्स्टीट्यूशनल)" उपयोग में परिवर्तित किया जाना है।"

2. शनिवार को छोड़कर और सभी कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, 10वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में उक्त अधि में आकर प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं० एम० 20/6/78-म० योजना]

कृष्ण प्रताप, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 4th November, 1978

PUBLIC NOTICE

S.O. 3174.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the Zonal Development Plan for Zone D-4 (Parliament Street) is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification, may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, 5th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address:—

NOTIFICATION

"The land use of an area measuring about 0.81 hect. (2.0 acres) forming part of plot No. 9 Rafi Marg and falling in Zone D-4 (Parliament Street) and bounded by a Service Road in the north and north east residential area in the south and south east, Rafi Marg (120' wide) in the West and 40' wide road in the north west is proposed to be changed from 'Circulation' (parking) to 'Institutional' use."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the Office of the Authority, 10th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(6)/78-MP]

KRISHNA PRATAP, Secy.

पूरी और पुनर्वासि मंत्रालय

(बंशबोस्त कल)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1978

का० आ० 3175.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का XXXI) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वासि विभाग (बंशबोस्त विंग) में सहायक बंशबोस्त आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री एच० के० धवन को, उक्त अधिनियम या उसके अंतर्गत अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए सहायक अभिरक्षक, निष्क्रान्त सम्पत्ति, के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं० ए० 36016(1)/75-प्रशा०/राज०/ए जी जेड/ब वि०]

MINISTRY OF WORKS & HOUSING, SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

(Settlement Wing)

New Delhi, the 25th September, 1978

S.O. 3175.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri H. K. Dhawan, Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Assistant Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Custodian by or under the said Act.

[No. A. 36016/1/75-Ad/GZ/AGZ/SW]

का० आ० 3176.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वासि विभाग में सहायक बंशबोस्त आयुक्त के पद पर कार्य कर रहे श्री एच० के० धवन को उक्त अधिनियम या उसके द्वारा प्रबंध अधिकारी को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० ए० 36016/1/75-प्रशा०/राज०/ए जी जेड/ब वि०]

दीना नाथ असीजा, संयुक्त निदेशक

S.O. 3176.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954) the Central Government hereby appoints Shri H. K. Dhawan, Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to such Officers by or under the said Act.

[No. A. 36016/1/75-Ad/GZ/AGZ/SW]

D. N. ASIJA, Jt. Director

भ्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1978

का० आ० 3177.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों में बारें में कुमारस्वामी आयरन और इन्वै-स्टीगेशन, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस० एल० एफ० एलवरस होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलूर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या कुमारस्वामी आयरन और प्रोजेक्ट, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम, देवगिरी के प्रबंधन की, वर्षों तक सेवा को नियमित किए बिना अस्थायी आधार पर दैनिक मजदूरी पर व्यक्तियों को नियोजित करने और उन्हें नियमित कर्मचारियों की दी जाने वाली मजदूरी की अपेक्षा कम मजदूरी देने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो व्यर्थ कर्मचार किस अनुतोष के हकदार हैं?"

[सं० एल-26011/8/78-डी० 3 बी०]

आर० कुंजीयापदम, अवर सचिव

**MINISTRY OF LABOUR
ORDER**

New Delhi, the 23rd September, 1978

S.O. 3177.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Kumaraswamy Iron Ore Investigation National Mineral Development Corporation and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and Clause (d) of Sub-section (i) of Section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S.L.F. Alveres shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Kumaraswamy Iron Ore Project, National Mineral Development Corporation, Deogiri in employing persons on temporary basis on daily rates for years without regularising their service and in paying them wages lower than that paid to regular employees is justified? If not, to what relief are the aggrieved workmen entitled?"

[No. L-26011/8/78-D III.B.]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

प्रवेश

का० प्रा० 3178.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० बी० गंधारामु होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

(1) क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन की शरसुगुडा, जगन्नाथपुर घेनकनाल तथा केसिगा में स्थित अपने डिपुओं के 'प्रत्यक्ष संदाय' वाले कर्मचारों को 'विभागीय' कर्मकार के रूप में न समझे जाने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से?

(2) क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन की घेनकनाल तथा शरसुगुडा में स्थित अपने डिपुओं के कर्मचारों को, जिनके नाम उपाबंध में दिए गए हैं, उनके नामों के सामने की गई तारीखों से उनके निलम्बन की अवधि के संबंध में निर्वाह भत्ता न दिए जाने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

उपाबंध

क्रम सं०	नाम	पदनाम	निलम्बन की तारीख
घेनकनाल डिपो			
1.	श्री अन्नमचरण जैना	सरदार	18-2-75
2.	श्री धुकान्त चन्द जैना	मोन्डाल	—यथोक्त—
3.	श्री प्याम सुन्दर साहू	एच०/लेबर	—यथोक्त—
4.	श्री अनामचरण सामल	—यथोक्त—	—यथोक्त—
5.	श्री बंशीधर राजत	—यथोक्त—	—यथोक्त—
6.	श्री सुगाचरण साहू	—यथोक्त—	—यथोक्त—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	निलम्बन की तारीख
7.	श्री अनन्त चरण साहू	—सरदार—	18-2-75
8.	श्री प्रोवाकर जैना	—यथोक्त—	—यथोक्त—
9.	श्री सनातन मल्लिक	—यथोक्त—	—यथोक्त—
10.	श्री रघु मल्लिक	—यथोक्त—	—यथोक्त—
11.	श्री जोगेन्द्र नाथ बेहरा	सरदार	—यथोक्त—
12.	श्री कातिक चन्द जैना	मोन्डाल	—यथोक्त—
13.	श्री रवीन्द्र कुमार सबीन	एच०/लेबर	—यथोक्त—
14.	श्री नटवर जैना	—यथोक्त—	—यथोक्त—
15.	श्री कपिल चन्द जैना	—यथोक्त—	—यथोक्त—
16.	श्री अटकरसन साहू	—यथोक्त—	—यथोक्त—
17.	श्री गुना च० दास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
18.	श्री फीकीरा चन्द्र दास	सरदार	—यथोक्त—
19.	श्री सुरजमोही सबीन	मोन्डाल	—यथोक्त—
20.	श्री अर्जुनी बेहरा	एच०/लेबर	—यथोक्त—
21.	श्री चक्रु सेठी	—यथोक्त—	—यथोक्त—
22.	श्री बलबदर नायक	—यथोक्त—	—यथोक्त—
23.	श्री गंधर्व च० जैना	—यथोक्त—	—यथोक्त—
24.	श्री सनातन दास	एजिलिरी	—यथोक्त—
25.	श्री जोगी राजत	एच०/लेबर	5-7-75
26.	श्री मरकन्द साहू	—यथोक्त—	—यथोक्त—
27.	श्री क्षेत्रमोहन साहू	—यथोक्त—	—यथोक्त—
28.	श्री भगवान साहू	—यथोक्त—	—यथोक्त—
29.	श्री कलसेना च० बेहरा	—यथोक्त—	—यथोक्त—

शरसुगुडा डिपो

1.	श्री जनक रोहीदास	सरदार	10-3-75
2.	श्री विचित्र नायक	मोन्डाल	—यथोक्त—
3.	श्री सनामी मुडुली	एच०/लेबर	—यथोक्त—
4.	श्री खिरोब मुडुली	—यथोक्त—	—यथोक्त—
5.	श्री आबिकान्त पतरा	—यथोक्त—	—यथोक्त—
6.	श्री त्रिलोचन सबीन	एच०/लेबर	—यथोक्त—
7.	श्री हाडु रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
8.	श्री भगत सतनामी	—यथोक्त—	—यथोक्त—
9.	श्री दीना रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
10.	श्री संसार रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
11.	श्री अंकुर रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
12.	श्री पीसा रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
13.	श्री गगानी रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
14.	श्री नरहरी रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
15.	श्री गोबिन्द रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
16.	श्री देशराम रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
17.	श्री त्रिका रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
18.	श्री मुसुब रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
19.	श्री गानतिया रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
20.	श्री भाबू रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
21.	श्री कुमुद रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
22.	श्री नीलामोनी रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
23.	श्री जगत रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
24.	श्री बरनबाबन रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
25.	श्री गुरु रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—
26.	श्री सत्यानन्द रोहीदास	—यथोक्त—	—यथोक्त—

[सं एल-42011(2)/76-डी 2(बी)]

हरबन्स बहादुर, डेटक आफिसर

ORDER

S.O. 3178.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of the Food Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

- (1) Whether the action of the management of the Food Corporation of India in not treating the 'direct payment' workers of their depots at Jharsuguda, Jagannathpur, Dhenkanal, and Kesinga as "departmental" is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date?
- (2) Whether the action of the management of the Food Corporation of India in not paying subsistence allowance to the workmen of their depots at Dhenkanal and Jharsuguda whose names are given in the Annexure, in respect of the period of their suspension from the dates shown against each, is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

ANNEXURE

Sl. No.	Name	Designation	Date of Suspension
1	2	3	4

DHENKANAL DEPOT

1.	Sri Chandra Sekhar Jena	Sardar	18-2-75
2.	Sri Sukanta Ch. Jena	Mondal	-do-
3.	Sri Shyama Sunder Sahoo	H/Labour	-do-
4.	Sri Anamacharan Samal	-do-	-do-
5.	Sri Banshidhar Rout	-do-	-do-
6.	Sri Tungacharn Sahoo	-do-	-do-
7.	Sri Ananta Charan Sahoo	-do-	-do-
8.	Sri Provakar Jena	-do-	-do-
9.	Sri Sanatan Mullick	-do-	-do-
10.	Sri Raghu Mullick	-do-	-do-
11.	Sri Jogendra N. Behara	Sardar	-do-
12.	Sri Kartick Ch. Jena	Mondal	-do-
13.	Sri Rabindra Kr. Swain	H/Labour	-do-
14.	Sri Natabar Jena	-do-	-do-
15.	Sri Kapila Ch. Jena	-do-	-do-
16.	Sri Batakrushna Sahoo	-do-	-do-
17.	Sri Guna Ch. Das	-do-	-do-
18.	Sri Phikira Chandra Das	Sardar	-do-
19.	Sri Surjamoni Swain	Mondal	-do-
20.	Sri Arjuni Behara	H/Labour	-do-
21.	Sri Chancu Sethi	-do-	-do-
22.	Sri Balavadra Nayak	-do-	-do-
23.	Sri Gandharba Ch. Jena	-do-	-do-
24.	Sri Sanatan Das	Ancillary	-do-
25.	Sri Jogi Routh	H/Labour	5-7-75
26.	Sri Markand Sahoo	-do-	-do-
27.	Sri Kshetramohan Sahoo	-do-	-do-
28.	Sri Bhagaban Sahoo	-do-	-do-
29.	Sri Krushna Ch. Behara	-do-	-do-

Sl. No.	Name	Designation	Date of Suspension
1	2	3	4
JHARSUGUDA DEPOT			
1.	Sri Janak Rohidas	Sardar	10-3-75
2.	Sri Bichitra Nayak	Mondal	-do-
3.	Sri Sanami Muduli	H/Labour	-do-
4.	Sri Khirod Muduli	-do-	-do-
5.	Sri Adikanta Patra	-do-	-do-
6.	Sri Trilochan Swain	-do-	-do-
7.	Sri Hadu Rohidas	-do-	-do-
8.	Sri Bhagat Satnami	-do-	-do-
9.	Sri Dina Rohidas	-do-	-do-
10.	Sri Sansar Rohidas	-do-	-do-
11.	Sri Ankur Rohidas	-do-	-do-
12.	Sri Pita Rohidas	-do-	-do-
13.	Sri Gagani Rohidas	-do-	-do-
14.	Sri Narahari Rohidas	-do-	-do-
15.	Sri Gobinda Rohidas	-do-	-do-
16.	Sri Deshram Rohidas	-do-	-do-
17.	Sri Trika Rohidas	-do-	-do-
18.	Sri Musuru Rohidas	-do-	-do-
19.	Sri Gantia Rohidas	-do-	-do-
20.	Sri Bagu Rohidas	-do-	-do-
21.	Sri Kumud Rohidas	-do-	-do-
22.	Sri Nilamoni Rohidas	-do-	-do-
23.	Sri Jagat Rohidas	-do-	-do-
24.	Sri Brundaban Rohidas	-do-	-do-
25.	Sri Guru Rohidas	-do-	-do-
26.	Sri Satyananda Rohidas	-do-	-do-

[No. L-42011(2)/76-D.II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का० प्रा० 3179.—केंद्रीय सरकार चूना पत्थर और डोलोमाईट खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1973 के नियम 2 के उप-नियम 5 के साथ पठित चूना पत्थर और डोलोमाईट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 8 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कल्याण आयुक्त, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, भीलवाड़ा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ चूना पत्थर और डोलोमाईट खान कल्याण तथा उपकर आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 2107 तारीख 4 जुलाई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, क्रम सं० 4 के सामने स्तम्भ 2 में की गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"कल्याण आयुक्त, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, भीलवाड़ा।"

[एम-23013/1/77-एम-6]

पी०के० सेन, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3179.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972), read with sub-rule (5) of rule 2 of Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government appoints the Welfare Commissioner, Ministry of Labour, Government of India, Bhilwara, to be Limestone and Dolomite Mines Welfare & Cess Commissioner for the purpose of the said Act and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2107 dated 4th July, 1978.

In the said Notification, in the table against serial number 4, for the entry under column 2, the following entry shall be substituted, namely :—

"Welfare Commissioner, Ministry of Labour, Government of India, Bhilwara."

[S. 23013/1/77-M. V.]

P. K. SEN, Under Secy.

S.O. 3180.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Sutna Stone and Lime Company Limited, Sutna and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th October, 1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(10)/1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sutna Stone and Lime Company Limited, Sutna and their workmen represented through the General Secretary, M. P. Stone and Lime Workers Union, Sutna (M. P.)

APPEARANCES :

For Union—Shri Chandra Shakher Tiwari.

For Management—S/Shri P. S. Nair & S. K. Rao, Advocate and Shri Y. C. Sharma Personnel Officer.

INDUSTRY : Stone Mine **DISTRICT :** Sutna (M.P.)

Dated the 5th October, 1978

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-29011/16/76-D. III (B) dated 17th May, 1977 for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the demand for payment of fall back wages to piece rated workers engaged in the Raghuraj-nagar Lime Stone Mine of Sutna Stone & Lime Company Private Limited is justified? If so, at what rates and under what conditions?"

2. After the pleadings were filed and issues framed on the request of the Union's General Secretary, Shri Chandra Shekhar Tiwari, a commission was issued to examine witnesses at Sutna. Thereafter parties took several adjournment to negotiate for an amicable settlement with a view to avoid

litigation and to promote industrial peace and harmony. Ultimately they have succeeded in their negotiations and have come to an amicable settlement. The parties filed today a compromise petition dated 15-8-1978 duly signed by the General Manager of the Company and the General Secretary of the Union. I have perused the terms of the settlement which appear to be fair and reasonable and beneficial to workers. An award is therefore given accordingly. The compromise petition shall form part of this award.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Ref. No. CGIT/LC(R)/10/77

Employers in relation to the Management of Raghuraj-nagar Limestone & Mines of Sutna Stone & Lime Co. Ltd.

Vs.

Their Workmen.

The Parties beg to submit as under :—

1. That the Central Government, Ministry of Labour, Government of India had vide their order dated 10/17-5-77 referred the following dispute for adjudication by the Hon'ble Tribunal :—

"Whether the demand for payment of fall back wages to piece-rated workers engaged in the Raghuraj-nagar Lime Stone Mine of Sutna Stone & Lime Company Limited is justified? If so, at what rates and under what conditions?"

2. That with a view to avoid litigation and to promote industrial peace and harmony the Parties have agreed to settle the dispute on the terms set out below :—

TERMS OF SETTLEMENT :

(a) Agreed that the workers engaged in the Quarry work will be provided with drilling @ 50 cms. (Fifty Centimetres) per manday i.e. if in one batch the attendance in a period of ten days is 80 mandays it will be provided with 40 metres of drilling in that period of ten days. The Drilling mentioned above is in terms of the drilling done by Jack Hammers using drill steel rods of 32 to 34 mm. diameters. Further that these holes will be blasted with the help of explosives by the Management. The Management however will not be responsible for providing drilling or blasting in case the Compressor drivers, drillers, shortfirers or blasters go on strike or adopt go-slow. The number of mandays utilized for earth cutting, removal of overburden by tubs or loading of Rly. Wagons will not be taken into account for the purpose of calculating the minimum quantity of drilling to be given to workers.

(b) Agreed that the Management will make suitable arrangements for pumping out water from the Quarries, in such manner that the workers can easily work either for removal of overburden or extraction of limestone

(c) Agreed that if any batch or group of workers is unable to perform his normal work output either due to the failure on the part of the Management to provide drilling or blasting as agreed in Para (a) above or due to failure to make suitable arrangements for pumping out water as set out in Para (b) above on any working days each of the workers so effected will bring the matter in writing to the notice of the Mines Manager who will provide alternative work on that day to such affected persons either in the Mines or in the Lime Factory which is situated on the Mining Lease area itself. Separate notice in writing will have to be given by the affected batch/group of workers on every day latest within one hour of the start of the shift.

(d) Agreed that if the Mines Manager after prompt examination of the Complaint fails to provide alternative work on any day under conditions set out in Para (c) above the Management will be liable to pay a fall back wage of Rs. 3.50P. (Rupees Three and paise fifty only) per day to each of such affected workers.

3. The Management may introduce drilling by more powerful drilling equipment giving holes of 75 mm. to 100 mm. diameter and in that event the quantity of drilling required per man day for optimum output will be substantially less. The Management and the workers' representative will then hold mutual negotiations with a view to arrive at an amicable settlement regarding the optimum quantity of drilling and blasting required to enable the workers to give normal output.

4. In view of the settlement reached as set out above the Parties request the Hon'ble Court to give an Award in terms of the Settlement reached above.

C. S. Tiwari, General Secy.
Satna Stone & Lime Workers, Union,
Satna.

Sd/-
for Satna Stone & Lime Co. Ltd.
(Illegible)
General Manager.

PRAYER

An Award may kindly be given in terms of the settlement reached above.

Sd/-
for SUTNA STONE & LIME CO. LTD.
(Illegible)
General Manager.

C. S. Tiwari, General Secy.
Satna Stone & Lime Workers' Union,
79/10, Krishnanagar,
Satna.

Witness :

B. Singh

Part of Award

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-29011/16/76-D. III. B]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1978

का०प्र० 3181.—ग्रेफाइट खानों में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को संवेद्य मजदूरी की न्यूनतम दरें नियत करने के लिए कतिपय प्रस्ताव, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०प्र० 35, तारीख 23 दिसम्बर, 1977 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 7 जनवरी, 1978 के पृष्ठ 29 पर प्रकाशित किए गए थे, जिनमें राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पचहत्तर दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र 7 जनवरी, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्तावों की बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, प्रथम, केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) और धारा 5 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में यथाविनिर्दिष्ट मजदूरी की ऐसी न्यूनतम दरें नियत करती है जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 1 में की तत्संबन्धी प्रविष्टियों में यथाविनिर्दिष्ट ग्रेफाइट खानों में के नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को संवेद्य हैं और निदेश करती है कि यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी ।

अनुसूची

कर्मचारियों का वर्गीकरण	न्यूनतम मजदूरी की प्रतिदिन दर
-------------------------	-------------------------------

1	2
अकुशल	रु०
मजदूर (पुरुष और स्त्री), कुली, चौकीदार, बावनेन खनासी, क्लीनर, लोडर, रसोइया सहायक, हाइड्रक, ब्रेकर (हस्त-चालित उपकरणों का प्रयोग करने वाला), आफिस ब्याण्ड, चपरासी, संदेशवाहक, सफाईवाला पानीवाला, जल-वाहक, पुताईवाला, लैम्पमैन, और कोई अन्य प्रवर्ग जो अकुशल हैं और जिन्हें चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो ।	5.80

अर्धकुशल/अकुशल पर्यवेक्षक

ब्रेकर, ड्रिलर, खनिक, रसोइया, शिगुकन आया, प्रधान चौकीदार, मेट/मुकद्दम (धातुसादन खान विनियम, 1961 के अधीन सभ्यता प्रमाणपत्र के बिना) आयलमैन, पम्प खलासी, शाट फायरर, प्रधान मिस्त्री, बायलर मैन, थैचर टिडल, द्राफ्ट्समैन, जमादार, पुताईवाला, हेल्पर (लोको, क्रेन, ट्रक), हेल्पर (बढ़ई, विस्फोटकर्ता, फिटर, ड्रिलर, लोहार, राजमिस्त्री), प्रचालक, सहायक मेकेनिक, बैरा-एवं-रसोइया, रखवाल, हथौड़ीया, माली, कोई अन्य प्रवर्ग जो अर्धकुशल/अकुशल पर्यवेक्षी हैं और जिन्हें चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो ।	7.25
---	------

कुशल

मोहार, बढ़ई, कम्पाउण्डर, बिजली मिस्त्री, शाट फायरर, पुताईवाला, फोरमैन, फिटर, खान पर्यवेक्षक, बर्जी, प्रधान रसोइया, इंजनवाला, वेल्डर, बल्फोटकर्ता, मशीन मिस्त्री, प्रधान मिस्त्री, उप-ओवरसियर (अनर्हित), सर्वेक्षक, प्रचालक, बायलर मैन, कम्प्रेसर प्रचालक, ट्रैक्टर-चालक, कोई अन्य प्रवर्ग जो कुशल हैं और जिन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाता हो ।	8.70
--	------

लिपिकवर्गीय :

लेखाकार, सहायक, लिपिक, मुंशी, टंकक, ग्राफोलिपिक, टंककीपर, टाइपमशीनपर, अन्य प्रवर्ग जो लिपिकवर्गीय हैं और जिन्हें चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाता हो ।	8.70
---	------

स्पष्टीकरण:—

1. इस अधिसूचना द्वारा प्रस्तावित मजदूरी की न्यूनतम दरें सर्व-सम्मिलित दरें हैं जिनमें आधार्मिक दर, जीवन निर्वाह भत्ता, और आवश्यक वस्तुओं के रियायती प्रदायों का नकदी मूल्य, यदि कोई हो, सम्मिलित हैं, और इसके अन्तर्गत साप्ताहिक विश्राम के दिन के लिए देय मजदूरी भी आती है ।

2. मजदूरी की ये न्यूनतम दरें ठेकेदारों द्वारा नियोजित कर्मचारियों को भी लागू हैं।

3. जहां संविदा या करार पर आधारित, भ्रष्टाचार, मजदूरी की वर्तमान दरें इस अधिसूचना द्वारा प्रस्तावित दरों से अधिक हैं, वहां उच्चतर दरें संरक्षित रखी जाएंगी और इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ मजदूरी की न्यूनतम दरें समझी जाएंगी।

4. निम्नलिखित व्यक्तियों और अठारह वर्ष की आयु से कम के व्यक्तियों के लिए मजदूरी की न्यूनतम दरें समुचित प्रयोग के व्यस्क कर्मचारों की वेतन दरों की क्रमशः सत्तर प्रतिशत और अस्सी प्रतिशत होंगी।

5. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "अकुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें सरल किया अन्तर्लित है और जिसमें काम में कुशलता या अनुभव या तो थोड़ा या बिल्कुल अपेक्षित नहीं है ;
- (ख) "अर्धकुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें काम में अनुभव द्वारा प्राप्त कुशलता या सक्षमता को कुछ मात्रा अपेक्षित है और जिसे कुशल कर्मचारी के पर्यवेक्षण या मार्गदर्शन में किया जा सकता है और इसके अन्तर्गत अकुशल पर्यवेक्षी कार्य आता है ;
- (ग) "कुशल कार्य" वह कार्य है जिसमें काम में अनुभव द्वारा या शिक्षा के रूप में या किये तकनीकी या व्यावसायिक संस्था में प्रशिक्षण द्वारा प्राप्त कुशलता या सक्षमता अन्तर्लित है और जिसके पालन में पहल और निर्णय आवश्यक है

[एस-32019(3)/77-इन्फोसी(एम इन्फो)]

अशोक नारायण, उप सचिव

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3181.—Whereas certain proposals to fix the minimum rates of wages payable to the categories of employees employed in the graphite mines were published, as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), at pages 28—30 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 7th January, 1978 under the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, number S.O. 35 dated the 23rd December, 1977 for the information of, and inviting objections and suggestions from, all persons likely to be affected thereby, till the expiry of the period of seventy-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette ;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 7th January, 1978 ;

And whereas, the objections and suggestions received on the said proposals have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3, read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 and sub-section (2) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby fixes, the minimum rates of wages as specified in column 2 of the Schedule annexed hereto, payable to the categories of employees employed in the employments in graphite mines as specified in the corresponding entries in column 1 of the said Schedule and directs that this notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

Classification of work	Minimum rates of wages per day
(1)	(2)

Rs.

Unskilled

Mazdoor (Male & Female), Chowkidar, Watchman, Khalasi, Cleaner, Loader, Cook-helper, Sweeper, Breaker (using manual appliances), Office Boy, Poen, Messenger, Waterman, Water Carrier, White-Washer, Lamp man, other categories by whatever name called which are unskilled.	5.80
--	------

Semi-Skilled/Unskilled Supervisory

Breaker, Driller, Miner, Cook, Creche Aya, Head Chowkidar, Mate/Mukaddam (without competency certificate under MMR, 1961), Oil man, Pump Khalasi, Shot Firer, Head Mistri, Boiler man, Thatcher, Tindles, Trolley man, Jamadar, White-washer, Helper (Loco, Crane, Truck), Helper (Carpenter, Blaster, Fitter, Driller, Blacksmith, Mason), Operator, Asstt. Mechanic Butler-cum-cook, Care taker, Hammerman, Mali, other categories by whatever name called which are semi-skilled/Unskilled Supervisory.	7.25
--	------

Skilled

Blacksmith, Carpenter, Compounder, Electrician, Shot Fiere, Whitewasher Foreman, Fitter, Mines Supervisor, Tailor, Head Cook, Engine man, Welder, Blaster, Machinist, Head Mistry, Sub-overseer (unqualified) Surveyor, Operator, Boilerman Compressor Operator, Tractor Driver, any other categories by whatever name called which are of skilled nature.	8.70
--	------

Clerical

Accountant, Assistant, Clerk, Munshi, Typist, Stenographer, Tool Keeper, Time Keeper, other categories by whatever name called which are clerical.	8.70
--	------

Explanations :—

1. The minimum rates of wages proposed by this notification are all-inclusive rates including the basic rate, the cost of living allowance and the ash value of concessional supply, if any, of essential commodities and also include the wages payable for the weekly day of rest.

2. The minimum rates of wages are applicable to employees employed by contractors also.

3. Where the prevailing rates of wages based on contract or agreement or otherwise, are higher than the rates proposed by this notification, the higher rates would be protected and treated as minimum rates of wages for the purposes of this notification.

4. The minimum rates of wages for disabled persons and for persons below eighteen years of age shall be seventy per cent and eighty per cent respectively of the rates payable to adult workers of the appropriate category.

5. For the purpose of this notification :—

- (a) "Unskilled work" is work which involves simple operations requiring little or no skill or experience on the job ;
- (b) "Semi-skilled work" is work which involves some degree of skill or competence acquired through experience on the job and which is capable of being performed under the supervision or guidance of a skilled employee, and includes unskilled supervisory work ;
- (c) "Skilled work" is work which involves skill or competence acquired through experience on the job or through training as an apprentice or in a technical or vocational institute and the performance of which calls for initiative and judgement.

[No. S. 32019(3)/77-WC(MW)]

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का०आ० 3182.—मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में श्री रमेश जैन के स्थान पर श्री फकीर चन्द, सचिव मध्य प्रदेश सरकार, श्रम विभाग, भोपाल को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1517 दिनांक 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद् 17 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"श्री फकीर चन्द,
सचिव, मध्य प्रदेश सरकार
श्रम विभाग, भोपाल"

[संख्या यू० 16012/14/76-एच०आई०]

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3182.—Whereas the State Government of Madhya Pradesh has, pursuant of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Faqir Chand, Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Labour Department, Bhopal to represent that State of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Ramesh Jain ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification

of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section]", for the entry against item 17, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Faqir Chand,
Secretary to the Government of Madhya Pradesh,
Labour Department, Bhopal."

[No. U-16012/14/76-HI]

का०आ० 3183.—केरल राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में श्री जे० एस० बधान के स्थान पर श्री आर० रामचन्द्रन नायर, सचिव, केरल सरकार, श्रम तथा आवास विभाग, त्रिवेन्द्रम को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या, का०आ० 1517, दिनांक 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद् 16 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्:—

"श्री आर० रामचन्द्रन, नायर,
सचिव, केरल सरकार,
श्रम तथा आवास विभाग,
त्रिवेन्द्रम।"

[सं० यू० 16012/20/76-एच०आई०]

एस० एस० सहस्रनामान, उप सचिव

S.O. 3183.—Whereas the State Government of Kerala has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri R. Ramachandran Nair, Secretary to the Government of Kerala, Labour and Housing Department, Trivandrum to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri J. S. Badhan ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4]", for the entry against item 16, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri R. Ramachandran Nair,
Secretary to the Government of Kerala,
Labour and Housing (Department),
Trivandrum."

[No. U-16012/20/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

